भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. 228

सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**राजस्थान में पर्यटन का विकास**

**228. श्री अमरा राम:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान में पर्यटन के विकास हेतु कार्य-योजना का ब्यौरा क्या है और इसे कब तक लागू किये जाने की संभावना है; और

(ख) राजस्थान में पर्यटन के विकास के लिए लागू की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ख): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) नामक अपनी वर्तमान में चल रही केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों में सहयोग करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने 283.47 करोड़ रुपये की राशि से 4 परियोजनाओं को मंजूरी दी थी, जिनका विवरण **अनुबंध** में दिया गया है। अब मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के रूप में इस योजना को नया रूप दिया है और राजस्थान राज्य में 'बूंदी (केशोरायपाटन)' और 'जोधपुर' सहित राज्य सरकारों के परामर्श से विकास के लिए देश में 57 स्थलों की पहचान की है तथा 17.37 करोड़ रुपये की राशि से 'केशोरायपाटन में आध्यात्मिक अनुभव' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने अपनी प्रशाद योजना के तहत 32.64 करोड़ रुपये की राशि से स्वीकृत 'पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास' नामक एक परियोजना को भी मंजूरी दी है और योजना में विकास के लिए 'श्री करणी माता मंदिर (बीकानेर), सूर्य मंदिर (कोटा) और 'मालासेरी डूंगरी (भीलवाड़ा)' की पहचान की है।

मंत्रालय अपनी आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार योजना के अंतर्गत राजस्थान सहित देश के विभिन्न गंतव्यों और उत्पादों का विभिन्न माध्यमों जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया संवर्धन, संवर्धनात्मक फिल्मों, क्रिएटिव इत्यादि के माध्यम से संवर्धन करता है।

*****

**अनुबंध**

श्री अमरा राम द्वारा राजस्थान में पर्यटन का विकास के संबंध में दिनांक 22.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 228 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

**राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के चिह्नित थीमेटिक परिपथों के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण**

**(राशि करोड़ रु. में)**

| **क्र. सं.** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृत राशि** |
|---|---|---|
| 1 | जयपुर जिले में सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास। | 50.01 |
| 2 | गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी मंदिर (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास। | 75.80 |
| 3 | आध्यात्मिक परिपथ का विकास - 'चुरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदे बालाजी, घाटके बालाजी, बांधे के बालाजी) - विराटनगर (बिजाक, जैन्नासिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंद) - मेहंदीपुर बालाजी -चित्तौड़गढ (सांवलिया जी) का विकास | 87.05 |
| 4 | विरासत परिपथ का विकास - राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर एवं नाहरगढ़ किले में अग्रभाग में प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गगरौन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ किला)- जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेडी) -उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीराबाई स्मारक, मेड़ता)-टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास | 70.61 |
| | **कुल** | **283.47** |

*****